

विद्यार्थी की पिटाई से शुरू होकर प्रिंसिपल कार्यालय तक पहुंचे विवाद में उच्चाधिकारियों ने लिया कड़ा संज्ञान

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

महेंद्रगढ़ रोड स्थित आईटीआई में एक विद्यार्थी की मारपिटआई से शुरू होकर प्रिंसिपल कार्यालय तक पहुंचे विवाद में उच्चाधिकारियों ने कड़ा संज्ञान लिया है। उच्चाधिकारियों ने आदेश जारी करते हुए आरोपित अनुदेशक रवि सैनी को जहां पद से निलंबित कर दिया है, वहीं महिला अनुदेशिका को उचित जवाब के लिए तीन दिन का समय दिया है। यदि वह निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाती है तो उन पर पद से बर्खास्तगी की गाज गिर सकती है, क्योंकि अनुदेशक जहां नियमित कर्मचारी हैं, वहीं महिला अनुबंध आधार पर नौकरी लगी हुई हैं। इन्हें यह आदेश पत्र ई-मेल के जरिए भेजे जा चुके हैं।

स्किल डवलपमेंट एंड इंस्टीयल ट्रेनिंग डिपार्टमेंट (हरियाणा) के डायरेक्टर की ओर से जारी आदेशों में

आईटीआई पुरुष अनुदेशक पद से निलंबित, वहीं महिला अनुदेशिका को बर्खास्तगी की चेतावनी



- पुरुष अनुदेशक रवि सैनी को निलंबन के दौरान दिया गया है जिला अंबाला मुख्यालय
- महिला अनुदेशिका को तीन दिन में ठोस तथ्यों एवं दस्तावेजों के साथ पक्ष रखने का दिया गया है समय

उल्लेख किया गया है कि अनुदेशक रवि सैनी को तत्काल प्रभाव से पद से निलंबित किया जाता है। सरपंचन पौरियड के दौरान उन्हें मुख्यालय जिला अंबाला के गांव नाहोनी स्थित राजकीय आईटीआई में हजिरी लगानी होगी। इस दौरान उन्हें सरकार के नियमानुसार निर्वहन भत्ता मिलता रहेगा।

दूसरी ओर आईटीआई की डीएमसी अनुदेशिका को तीन दिन का समय देते हुए उन्हें सेवा समाप्ति की चेतावनी दी गई है। रवि सैनी जहां नियमित कर्मचारी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं, वहीं महिला अनुदेशिका अनुबंध आधार पर नौकरी लगी हुई हैं। निदेशक की ओर से जारी आदेशों में कहा गया है कि वे अपना पक्ष

ठोस तथ्यों व दस्तावेजों के आधार पर उपस्थित होकर साबित करें और अपना उत्तर दें। यदि वह निर्धारित तीन दिन की अवधि में ऐसा नहीं करती है तो उनके विरुद्ध पदमुक्त/सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

निदेशिका को यह आदेश पत्र गत 25 सितंबर को जारी किया गया था, जो उन्हें ई-मेल के जरिए भेजे गए हैं। उन पर आरोप है कि वह गत 18 सितंबर को बिना अनुमति के प्रधानाचार्य कार्यालय में गईं और जब वह वहां मौजूद थी, तब वहां अनुदेशक रवि सैनी भी पहुंचे। उन्होंने प्रधानाचार्य से झगड़ा किया तथा उनका व्यवहार उचित नहीं था। महिला अनुदेशिका पर यह भी आरोप है कि वह पूर्व में भी आईटीआई स्टाफ से झगड़ा कर चुकी हैं तथा इससे प्रशिक्षण कार्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इहीं आरोपों में महिला अनुदेशिका को तीन दिन का समय देते हुए अपना पक्ष मजबूती से रखने को कहा गया है।

नहीं ले रहे आदेश पत्र

इस विवाद उपरांत डायरेक्टर द्वारा जारी आदेश पत्र की प्रतियां संबंधित पक्षों को ई-मेल कर दी गई हैं, वहीं उन्हें लिखित आदेश भी जारी किए गए हैं, लेकिन यह लिखित आदेश पत्र लेने से उक्त दोनों अनुदेशक ही बचते रहे हैं। सूत्रों के अनुसार आईटीआई के ड्यूटी लगे एक कर्मचारी ने यह आदेश पत्र उन्हें देने चाहे, लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। जबकि इस मामले में शामिल महिला अनुदेशिका मेडिकल लिव पर चली गई हैं।

यह है मामला

बता दें कि गत 18 सितंबर को आईटीआई की डीएमसी महिला अनुदेशिका आईटीआई प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल के कार्यालय में गई हुई थी। सूत्र बताते हैं कि वह गत 17 सितंबर को एक छत्र की वीडियो वॉयरल होने उपरांत अपना पक्ष रखने के लिए प्रधानाचार्य कार्यालय में गई थी। तभी वहां पर वर्कशॉप कैलकुलेशन एंड साइंस इंस्ट्रक्टर रवि सैनी भी पहुंचे। आरोप है कि यह दोनों अलग-अलग समय पर बिना अनुमति लिए प्रधानाचार्य कक्ष में गए। रवि सैनी पर आरोप है कि उन्होंने कक्ष में जाते ही प्रधानाचार्य से अनुचित व्यवहार किया। महिला अनुदेशक पर भी आरोप है कि उनका व्यवहार भी उचित नहीं था।

यह कहते हैं प्रधानाचार्य

गत दिनों हुए विवाद की शिकायत पर उच्चाधिकारियों ने संज्ञान ले लिया है। अनुदेशक को जहां पद से निलंबित कर अंबाला जिले में ड्यूटी लगा दी गई है, वहीं महिला अनुदेशिका को तीन दिन का समय देते हुए बर्खास्तगी की चेतावनी दी गई है। यह सारी कार्रवाई डायरेक्टर की निगरानी में चल रही है।

-विनोद खनगवाल, प्रधानाचार्य आईटीआई नारनौल

खबर संक्षेप

डीटीपी ने की अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़

नारनौल। जिला नगर योजनाकार टीम ने सोमवार को शहरी क्षेत्र में रेवाड़ी रोड बस स्टैंड के सामने लगभग 1.5 एकड़ भूमि में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी व मार्केट में तोड़फोड़ की कार्रवाई की। जिसमें कच्चे रोड नेटवर्क व निशानदेही आदि को ध्वस्त किया गया। यह पूरी कार्रवाई जिला नगर योजनाकार दिनेश सिंह की अगुवाई में स्टाफ सदस्यों के साथ अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार दिनेश सिंह ने लोगों से अपील की है कि नियन्त्रित क्षेत्र/शहरी क्षेत्र में कोई भी निर्माण बिना विभागीय अनुमति के न करें तथा महानिदेशक नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा चण्डीगढ़ से लाइसेंस अनुमति लेने उपरान्त ही कृषि भूमि को रियायती अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए परिवर्तित करें, अन्यथा चुककर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जहरीला पदार्थ खाने से 24 वर्षीय युवक की मौत

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव राजपुरा निवासी 24 वर्षीय योगेश ने रविवार सायं जहरीला पदार्थ खा लिया। जहरीला पदार्थ खाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर अटेली पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। अटेली पुलिस ने सोमवार को मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक ने किन परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाया इसका अभी पता नहीं चल पाया है।

स्टोन क्रशर इकाइयों को 1 नवंबर तक लगाने होंगे सीसीटीवी व पीएम सेंसर

- अनुपालन न करने पर बंदी और बिजली-पानी कटौती की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

मुख्यमंत्री नाथन सिंह सैनी की प्रदूषण रोकने के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के कार्यालय में क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में जिले की स्टोन क्रशर इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में आयोग फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (कैम) की ओर से 19 अगस्त को जारी दिशा-निर्देश संख्या 103 के प्रावधान बताए गए। इनका मकसद एनसीएन क्षेत्र में चल रही स्टोन क्रशर इकाइयों से होने वाले वायु प्रदूषण और उड़ने



पालना न करने पर होगी कार्रवाई

अधिकारियों ने बताया कि कार्यालय की ओर से सभी स्टोन क्रेशर इकाइयों को 24 अगस्त को ही इन दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। सभी व्यवस्थाएं लगाकर फोटो और जरूरी दस्तावेजों के साथ अनुपालन रिपोर्ट एक नवंबर तक कार्यालय में जमा करानी होगी। उन्होंने बताया कि तय समय में नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों के खिलाफ वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम, 1981 और अन्य पर्यावरण संबंधी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसमें कारण बताओ नोटिस जारी करना, पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाना, इकाई को बंद करना और बिजली-पानी की आपूर्ति काटना शामिल है।

वाली धूल (फ्यूजिटिव डस्ट) को प्रभावी ढंग से रोकना है। इकाइयों को बताया गया कि सीपीसीबी की एनवायरमेंटल गाइडलाइंस फॉर स्टोन क्रशिंग यूनिट्स 2023 में तय धूल रोकने के उपाय अब उनकी सहमति संचालन (सीटीओ) की

शर्तों में शामिल कर दिए गए हैं। इसके तहत सीसीटीवी या वीडियो सर्विलांस, पीएम 2.5 और पीएम 10 सेंसर, व्हील वाशिंग सुविधा और दूसरे जरूरी प्रदूषण नियंत्रण उपाय लागू करने और उन्हें चालू रखना जरूरी है।

नारनौल। क्रेशर इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीण कुमार।

पालना न करने पर होगी कार्रवाई

इस मौके पर नारनौल विधायक ओम प्रकाश यादव, नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी, नगर परिषद चेरपरपर्सन कमलेश सैनी, पूर्व भाजपा जिला प्रधान राकेश शर्मा सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को मिलेगा विज्ञान को अभिव्यक्त करने का मंच



जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने कहा कि साइंस ड्रामा विद्यार्थियों को नाटक के माध्यम से विज्ञान के बारे में अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। नाटक में कहानी कहने और प्रदर्शन कला का उपयोग करके जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल एवं मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता, संचार कौशल व टीम भावना को बढ़ावा मिलता है।

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रत्येक टीम में अधिकतम आठ कलाकार, एक निदेशक और एक लेखक शामिल हो सकते हैं। निर्णायक मंडल की ओर से प्रस्तुतियों का मूल्यांकन 100 अंकों में किया जाएगा। इसमें प्रस्तुति के लिए 50 अंक, वैज्ञानिक सामग्री के लिए 30 अंक तथा प्रभावशीलता के लिए 20 अंक प्रदान किए जाएंगे। नाटक हिंदी, अंग्रेजी अथवा किसी अन्य मान्यता प्राप्त भारतीय

रचनात्मक माध्यम से विज्ञान को समझाने का प्रयास

जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविंद्र कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को संसार के माध्यम के रूप में नाट्य विधा के अन्वेषण और प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर वर्ष उत्तर भारत विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। रचनात्मक समाज की प्राचीन सांस्कृतिक विधाओं में से एक है, जिसका उपयोग मनोरंजन के साथ सामाजिक संवाद और जनजागरूकता के माध्यम के रूप में भी होता रहा है। विज्ञान नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को जटिल वैज्ञानिक विषयों को सरल, रोचक और प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक से प्रश्न और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलता है। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन अक्टूबर माह में एससीआईआरटी गुरुग्राम में किया जाएगा। राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों आगे उत्तर भारत विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

मंत्री विपुल गोयल ने ली लोक संपर्क एवं जनपरिवेदना समिति की बैठक

अभी चल रही विभागीय जांच, संतुष्टि नहीं होने पर होगी विजिलेंस जांच

►► नगर परिषद में पानी निकासी के लिए टेंडर नए के हुए खरीदे गए पुराने पंप इंजन, मामले पर मंत्री ने दिया बयान



नारनौल। जनपरिवेदना समिति की बैठक लेते राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल।

पंप सटार पर न तो किसी कम्पनी का ब्रांड नाम, न ही कोई सील या पहचान चिन्ह लगा

इंजन पंप सट खरीद में नए-पुराने का खेल नगर निकाय मंत्री ने दिए जांच के आदेश

इंजन पंप सट खरीद में आ रही भ्रष्टाचार की सू. जांच में सुनिश्ची परतें

नारनौल। 25 अगस्त को प्रकाशित समाचार।

राजावास की ढाणी की शिकायत की जांच करेंगे एडीसी

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने मालाड़ा सराय के महेंद्र सिंह की पानी निकासी की समस्या सुनते हुए पंचायत अधिकारी को जल्द से जल्द इसका काम पूरा कर एक माह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। आरडब्ल्यूए एवं समस्त निवासीगण एचएसवीपी सेक्टर 1 की पार्कों की चार दिवारी करने व आवारा पशुओं की समस्या से निजात पाने की समस्या सुनते हुए निर्देश दिए कि इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इस पर एचएसवीपी के निवासीगणों ने मंत्री का धन्यवाद किया। राजावास की ढाणी के बलजीत सिंह की मायनिंग से संबंधित शिकायत को सुनकर एडीसी को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नारनौल विधायक ओम प्रकाश यादव, नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी, नगर परिषद चेरपरपर्सन कमलेश सैनी, पूर्व भाजपा जिला प्रधान राकेश शर्मा सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

तहसीलदार को दिए निर्देश

गांव गहली के सचिन की शिकायत सुनते हुए तहसीलदार को निर्देश दिए कि जमीन का सही बटवारा किया जाए। मोहल्ला सीलाखाना नारनौल के राम सज्जन शर्मा की शिकायत सुनते हुए जिला नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि सभी पुराने बोरेलव बंद करवाए जाएं तथा कोई भी मेन होल खुला ना रहे। फैक्ट्री से संबंधित शिकायत सुनते हुए मंत्री ने निर्देश दिए कि इनको दो नोटिस दिए जा चुके हैं तीसरा नोटिस देकर अग्रिम कार्रवाई की जाए। मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि आमजन की समस्याओं और शिकायतों का बिना किसी देरी के त्वरित समाधान करना ही सरकार तथा जिला प्रशासन का प्राथमिक लक्ष्य है। बैठक के दौरान कुल 12 परिवाद प्रस्तुत किए गए, जिनमें से अधिकांश मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया। शेष बची समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को तय समय-सीमा के भीतर पारदर्शी तरीके से कार्रवाई करने के आदेश दिए। राजस्व मंत्री के आगमन पर उपस्थित अनुपमा अंजली तथा पुलिस अधीक्षक दीपक ने उनका बुके देकर स्वागत किया।

पावर ट्रांसफार्मर टी वार्षिक मेंटेनेंस का होगा कार्य

आज तीन सब-स्टेशनों की बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

- सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक नहीं आएगी बिजली

हरिभूमि न्यूज ►► सतनाली मंडी

132 केवी सब स्टेशन सतनाली में पावर ट्रांसफार्मर के वार्षिक रखरखाव कार्य के चलते तीन सब-स्टेशनों की बिजली आपूर्ति सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक बाधित रहेगी।

बिजली निगम के एसडीओ

सतनाली हनुमान सिंह ने बताया कि एसएसई सब स्टेशन इंजीनियर सतनाली द्वारा पावर ट्रांसफार्मर टी वार्षिक मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा, जिसके चलते नांवा, श्यामपुरा व बारड़ा के सब-स्टेशनों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उक्त कार्य के चलते गांव श्यामपुरा, जड़वा, ढाणी जड़वा, बासडी, नांवा, सोहड़ी, मंढियाली, ढाणी भालौठिया, डिगरोता, बारड़ा, डालनवास, गादडवास, व माधोगढ़ की घरेलू व कृषि फिडरों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।



स्त्री के स्वतंत्र-सशक्त अस्तित्व के समर्थक

महात्मा गांधी

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

महात्मा गांधी हमेशा समाज का उत्थान और समानता का परिवेश बनाने के इच्छुक रहे। समाज के हर नागरिक को सुरक्षा और मान, यह बात उनके विचारों में प्रमुखता से रही। यह दृष्टिकोण हर तरह से महिलाओं की बेहतरी और भागीदारी बढ़ाने से भी जुड़ा है। यही वजह है, स्त्रियों को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार आज के समय में भी प्रासंगिक हैं। असमानता, अस्ुरक्षा और हिंसा के परिवेश में न केवल महिलाओं से जुड़े उनके विचारों को समझने की दरकार है बल्कि स्वयं स्त्रियों के सशक्तिकरण में भी उनके सार्थक विचार दिशा दे सकते हैं। स्त्री मन से भाव-चाव को सम्मान देने के हिमायती बापू के सदविचारों में स्त्रियों की पीड़ा और आशाओं को भी जगह मिली है। गांधी जी का कहना था कि महिलाओं के बिना सभ्य समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह महत्वपूर्ण कथन पूरी मानवता को थामने की बुनियाद बनाने की बात लिए है।

लैंगिक भेदभाव का विरोध

महात्मा गांधी के विचार महिला-पुरुष के बीच भेदभाव के बिलकुल खिलाफ थे। वे लैंगिक भेदभाव को समाज का बंटवारा करने वाले बर्ताव की तरह देखते थे। असल में बापू सदा से ही सर्वोदय यानी समग्र विकास की सोच को लेकर आगे बढ़े। 'यूनिवर्सल अपलिफ्टमेंट' के इस विचार में पूरे समाज की उन्नति की बात की गई। उनका सभी का कल्याण और सभी की तरक्की का विचार अहम रहा। इसीलिए बापू का मानना था 'महिला और पुरुष के बीच कोई भेद नहीं समझा जाना चाहिए, वे सिर्फ शारीरिक तौर पर एक-दूसरे से भिन्न हैं।' तकलीफदेह यह है कि उनके इस विचार से आया बदलाव आज तक नाकाफी है। समाज में महिलाएं कई तरह के भेदभाव का शिकार हो रही हैं। जरूरी है कि उनके समानता को बल देने वाले इस प्रेरक विचार को समग्र समाज समझे और अपनाए। बापू के शब्दों में 'पत्नी, पति की गुलाम नहीं, बल्कि एक साथी और मददगार है, जो उसके सुख-दुःख में बराबर की भागीदार होने के साथ-साथ पति के समान ही अपने रास्ते स्वयं चुनने के लिए भी स्वतंत्र है।' हालांकि हमारे संविधान में भी महिलाओं को पुरुषों के समान ही अधिकार दिए गए हैं, लेकिन सच यह भी है कि इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। घर हो या बाहर, महिलाओं को हर जगह आज भी दोयम दर्जे

सलाह चेतन्या

बीते दिनों राजधानी दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में एक तीन साल का बच्चा प्लेट की 12वीं मंजिल की बालकनी से गिर गया। कुर्सी पर चढ़कर खेलते हुए मासूम का संतुलन बिगड़ने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना के वक्त मां उसे छोड़कर अपने दूसरे बच्चे को ट्यूशन से लेने गई थी। मां जब गई तब छोटा बच्चा घर में सो रहा था। मां के जाने के बाद बच्चा जाग गया और खेलते-खेलते बालकनी तक पहुंच गया। वहां रखी कुर्सी पर चढ़कर वह नीचे देखने लगा। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और यह दुःखद हादसा हुआ।

जरूरी है नेबरहुड का सहयोगी परिवेश: असल में यह दुर्घटना बीते दौर में मिलने वाले आस-पड़ोस के साझे-सहारे की याद दिलाती है। कुछ समय के लिए छोटे बच्चों को संभाल लेने वाले उस पड़ोसी परिवेश का महत्व समझाती है, जब बच्चों की परवरिश के मामले में पड़ोस भी परिवार के समान ही सहायक हुआ करता था। थोड़ी-बहुत देर के लिए तो आस-पास रहने वाले बड़े-बुजुर्ग भी बच्चों की सुरक्षा के साझीदार बन जाते थे। अब रीतिते जुड़ाव को सामने रखते हादसे हमें उस सहज से सहारे से मिलने वाले खास संबल की याद दिलाते हैं। छोटे होते परिवारों के इस दौर में नेबरहुड के सहयोगी परिवेश को बनाए रखना आवश्यक है।

मेल-मिलाप बनाए रखें: सहज मेल-मिलाप के बिना आस-पड़ोस में मदद नहीं मांगी जा सकती। ना ही कोई पड़ोसी खुद मदद का हाथ आगे बढ़ा सकता है। आपसी बातचीत के बिना सहयोगी माहौल नहीं बन सकता। इसीलिए आस-पड़ोस से जुड़ाव रखने के लिए छोटी-छोटी पहल दोनों ओर से ही होनी चाहिए। मिलने पर अभिवादन करना और संवाद का सिलसिला शुरू करना

आधुनिक जीवनशैली में महानगरों में लोग आस-पड़ोस से कम वास्ता रखते हैं। समाज में इस तरह अपनेपन का रिश्ता ना होने से कई तरह के कष्टकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए हमें अपने आस-पड़ोस से जुड़ाव रखना चाहिए।

आस-पड़ोस का जुड़ाव है हमारे लिए बड़ा संबल



चाहिए। फोन नंबर शेयर करें। पर्व-उत्सव पर मिठाइयां बांटें। मिलकर त्योहार मनाएं। जरूरी नहीं कि आप आस-पड़ोस में बसे लोगों के हालचाल लेने का काम किसी घटना के होने या परेशानी और फंसने के बाद करें, रोजमर्रा में भी एक-दूजे के हालचाल लेते रहें। मेलजोल का यही धरातल जरूरत के समय पर मदद मांगने और करने की सहजता देता है। **पड़ोसी के सहयोगी बनें:** कितनी ही घटनाओं को लेकर स्पष्ट महसूस होता है कि थोड़ी-सी सहायता से मुसीबत टल सकती थी। किसी दुर्घटना से बचा जा सकता था। किसी बच्चे या बुजुर्ग के लिए सुरक्षा का धेरा बनाया जा सकता था। ध्यान रहे कि सामाजिक परिवेश में सतर्कता, सावधानी और सहयोग से ही बहुत-सी तकलीफदेह घटनाओं को रोका जा सकता है। इसीलिए आस-पड़ोस के परिवार न केवल मजबूत और सुरक्षित सामाजिक माहौल बनाएं, बल्कि संकट के समय मदद के लिए भी तैयार रहें। साझे जीवन की सामुदायिक भावना

को बल दें। नए शिफ्ट होने वाले लोगों से खुद आगे बढ़कर बात करें। उनसे बेहिचक मदद मांगने को कहें। आस-पड़ोस में आ बसे नए परिवार दें उस एरिया के बारे में जानकारी दें। मोहल्ले या सोसाइटी में उपलब्ध सुविधाओं की चर्चा करते हुए उन्हें अस्ुरक्षा से जुड़ी किसी बात के लिए भी सचेत करना चाहिए। **औपचारिकता की अति से बचें:** बदलती जीवनशैली के इस दौर में अचानक जरूरत आने पर साथ देने वाले पड़ोसियों के संग भी अब अपनापन नहीं रहा। एक समय था जब भारतीय परिवेश में पड़ोस को भी परिवार माना जाता था। बाहर जाने पर घर का ध्यान रखने, थोड़े समय के लिए बच्चे-बुजुर्ग को संभाल लेने या हारी-बीमारी में सहायता के लिए परिजनों से पहले पड़ोसी ही पहुंचते थे। अब औपचारिकता इस अपनेपन को लील गई है। ऐसे में साझे समाज में रहने-जाने की सोच को बल देना होगा। ताकि न मदद मांगने में हिचक हो न हेल्य करने में कोई संकोच।

हरिभूमि

रोहतक, मंगलवार 29 सितंबर 2026

विशेष : गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

महात्मा गांधी का मानना था कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। वे सिर्फ ऐसा मानते ही नहीं थे, स्त्री-पुरुष में भेदभाव के भी विरोधी थे। उनका कहना था कि महिलाएं हर तरह के कार्य करने में सक्षम हैं। वे यह भी मानते थे कि देश-समाज को बेहतर बनाने के लिए महिलाओं को भी आगे आना होगा।

कुरीतियों के खिलाफ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार रूढ़िवादी सोच के विरुद्ध रहे। उनका कहना था, 'केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है। सामाजिक बुराईयाँ और कुरीतियों से भी समाज का मुक्त होना जरूरी है।' असल में पुरातनपंथी विचार समाज में नकारात्मकता भरते हैं। सामाजिक-पारिवारिक सिस्टम को भीतर से खोखला करते हैं। खासकर महिलाओं के लिए तो रूढ़ियाँ, सहज जीवन में भी बाधा बन जाती हैं। ऐसे में गांधीजी का मानना था कि जब तक सामाजिक कुरीतियों का खात्मा नहीं हो जाता, महिलाओं के जीवन में सुधार लाने के प्रयास सफल नहीं हो सकते। दहेज प्रथा को समाप्त करना ही होगा। विवाह में एकमात्र सम्मानजनक आधार परस्पर प्रेम और परस्पर स्वीकृति होती है। समाज में प्रचलित कुरीतियों के खिलाफ भी अपनी आवाज उठाई ताकि महिलाओं के शोषण को रोका जा सके। बापू बाल विवाह और पर्दा प्रथा के भी विरुद्ध रहे। विधवा पुनर्विवाह को खुलकर समर्थन दिया। उनके अनुसार 'किसी भी समाज की कुरीतियाँ तब तक समाप्त नहीं हो सकतीं, जब तक देश के युवा सामने न आएँ।' देखने में भी आया है कि बहुत से बदलाव युवाओं की प्रतिबद्धता से ही आए हैं। गांधी जी का यह भी कहना था कि स्वयं महिलाएं कुरीतियों से निजात पाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस दौर में ये विचार न केवल प्रासंगिक बल्कि व्यावहारिक भी हैं। बस जरूरत इस बात कि है, इन बुराईयों का प्रतिकार करने की क्षमता विकसित करें।

नैतिक सामर्थ्य में आगे स्त्री

महात्मा गांधी का कहना था, 'यदि शक्ति का मतलब नैतिक बल है, तो स्त्री, पुरुष से श्रेष्ठ है।' बापू का विजन मानवीय मूल्यों के मामले में बिलकुल स्पष्ट रहा। उन्होंने महिलाओं को अधिक मर्यादित और नैतिक माना। वे महिलाओं के अधिकारों के तो पैरोकार रहे ही, उनकी सार्थक अनुभूतियों की सराहना भी करते थे। महात्मा गांधी ने कहा था, 'स्त्री अहिंसा का अवतार है। जिसका अर्थ ही अगाध प्रेम और सहनशीलता है।' मां के रूप में एक स्त्री की इस क्षमता और गुणों को देखा जा सकता है। साथ ही परिवार और समाज के लिए भी महिलाओं का समर्पण कम नहीं होता। महिलाओं को जीवन की हर पवित्र एवं धार्मिक धरोहर की मुख्य संरक्षक मानने वाले महात्मा गांधी स्वयं भी उनके प्रति बहुत संवेदनशील रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में भी महिला लीडरशिप को महत्व देने वाले बापू का मानना था कि संसार को विनाश से बचाकर सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलना है, तो महिलाओं को अपने नैतिक बल को पहचानकर समाज का नेतृत्व करना होगा।

हेयर केयर स्नेहा सिंह

आजकल की व्यस्त जीवनशैली में प्रदूषण, धूल-मिट्टी, खान-पान और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के अत्यधिक उपयोग के कारण बाल कमजोर हो जाते हैं। इसके कारण बालों का झड़ना, बेजान होना, असमय सफेद होना और टैंड्रफ होना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बालों की प्राकृतिक चमक और मजबूती वापस पाने के लिए होममेड हेयर पैक कारगर हो सकते हैं। **केला-शहद का हेयर पैक:** यदि आपके बाल बहुत सूखे (ड्राय), रफ और बेजान हो गए हैं, तो केला और शहद का हेयर पैक आपके लिए बहुत यूजफुल है। केले में पोटेशियम, प्राकृतिक तेल और विटामिन होते हैं, जो बालों को टूटने से रोकते हैं। जबकि शहद एक प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट (नमी बनाए रखने वाला) है, जो हवा से नमी को

मेडिकल एडवाइस डॉ. विकास कटारिया सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट होली फैमिली स्पिटैल, दिल्ली

बदलती जीवनशैली ने पुरुषों के समान महिलाओं के लिए भी हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ा दिया है। कभी बढ़ती उम्र की महिलाओं में अधिक दिखने वाली हार्ट डिजीज अब कम उम्र में भी दस्तक दे रही है। हालांकि, जागरूकता, नियमित जांच और समय रहते जीवनशैली में बदलाव करके हृदय रोग के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। **क्या है कारण:** अनहेल्दी लाइफस्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट्स और फैमिली हिस्ट्री इसके मूल कारण होते हैं, जिससे हाइपरटेंशन, कोलेस्ट्रॉल लेवल का बढ़ना, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं होती हैं। इनके अलावा महिलाओं में हृदय रोग के कुछ जोखिम कारक पुरुषों से अलग होते हैं। गर्भावस्था में होने वाली जटिलताएं जैसे-प्री-एक्लेम्पसिया, गर्भावधि मधुमेह (जेस्टेशनल डायबिटीज) और समय-पूर्व लीज गई है। ऐसे में साझे समाज में रहने-जाने की सोच को बल देना होगा। ताकि न मदद मांगने में हिचक हो न हेल्य करने में कोई संकोच।

तकनीक आज कई बुजुर्गों के लिए अकेलेपन का साथी बन गया है। वीडियो कॉल और सोशल मीडिया उन्हें अपने से जोड़े रखते हैं, लेकिन इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर भी पड़ता है। बुजुर्गों को डिजिटल सपोर्ट के साथ अपनेपन का एहसास देना भी जरूरी है।

डिजिटल सपोर्ट के साथ ही बुजुर्गों को दें अपनेपन का एहसास

दायित्व अलका 'सोनी'

आज डिजिटल दुनिया ने हम सब के जीवन को बदल कर रख दिया है। यह बदलाव बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के जीवन में देखने को मिलता है। इसमें कोई शक नहीं कि तकनीक के इस्तेमाल ने बुजुर्गों के जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान और अपनों से जोड़ दिया है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वे अपने से दूर रहने वाले परिवार से जुड़े रह सकते हैं, अपना समय भी आसानी से बिता सकते हैं। अपनों के साथ वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेज, सब कुछ बस एक क्लिक में उन्हें मिल जाता है। देखा जाए, तो बुजुर्गों के अकेलेपन का साथी बन गया है स्मार्टफोन। लेकिन यह सुविधा धीरे-धीरे एक निर्भरता में बदलती जा रही है, जो उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। **स्क्रीन का साथ पर अपनों से दूरी:** वैश्विक रिपोर्ट्स के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत बुजुर्ग आज घर में अकेलेपन का अनुभव करते हैं। उनमें से 60 प्रतिशत से अधिक वरिष्ठ नागरिक प्रतिदिन 3-5 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। तकनीक ने बुजुर्गों को दुनिया से दोबारा जोड़ा जरूर है, लेकिन यह एक नई तरह की 'डिजिटल दुविधा' का युग भी है, जहां साथ होते हुए भी अकेलापन गहरा होता जा रहा है, जो उन्हें कई तरह से प्रभावित करता है। **अकेलेपन में तकनीक का बढ़ता सहारा:** बढ़ती उम्र के साथ जब सामाजिक दायरा सीमित हो जाता है और अकेलापन बढ़ता है, तब तकनीक एक सहारा बनकर सामने आती है। जब बुजुर्गों की अपने बच्चों के साथ दूरी बढ़ जाती है, तब उनके लिए समय काटना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे स्वाभाविक रूप से डिजिटल माध्यमों की ओर आकर्षित होते हैं। मोबाइल फोन उनके लिए न केवल समय बिताने का साधन बनता है, बल्कि एक तरह का भावनात्मक सहारा भी बन जाता है। हालांकि यह जुड़ाव अधिकतर आभासी होता है, जिसमें वास्तविक बातचीत और आत्मीयता की कमी रहती है। परिणाम स्वरूप, अकेलापन कम होने के बजाय कई बार और गहरा हो जाता है।



स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव: बुजुर्गों में उम्र आधारित स्वास्थ्य समस्याएं पहले से चल रही होती हैं। फिर लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव बढ़ता है, जिससे सूखापन, जलन, धुंधलापन और सिरदर्द जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके साथ ही, मोबाइल से निकलने वाली ब्लू लाइट, नींद के चक्र को प्रभावित करती है, जिससे नींद का समय और इसकी गुणवत्ता घट जाती है। मानसिक स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है, जैसे चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी और धीरे-धीरे सामाजिक गतिविधियों में रुचि का कम होना। **संतुलित उपयोग है जरूरी:** तकनीक से पूरी तरह दूरी बनाना संभव नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसका उपयोग सीमित और उद्देश्यपूर्ण हो। जिसके लिए एक नियमित दिनचर्या बनाना, स्क्रीन टाइम



तय करना, परिवार के साथ समय बिताना और ऑफलाइन गतिविधियों जैसे टहलना, पढ़ना या बागवानी में भाग लेना, इस संतुलन को बनाए रखने में सहायक हो सकता है। **फैमिली मेंबर्स की भूमिका महत्वपूर्ण:** परिवार के सदस्यों का फर्ज बनता है कि वे अपने बुजुर्गों को वास्तविक संवाद और साथ का अनुभव कराएं। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक का संतुलित उपयोग जरूरी है, अन्यथा यह बुजुर्गों के जीवन में जुड़ाव की जगह अलगाव को बढ़ा सकती है। तकनीक सुविधा का माध्यम है, जीवन का केंद्र नहीं। इसलिए आवश्यक है कि बुजुर्गों के जीवन में डिजिटल और वास्तविक दुनिया के बीच संतुलन बना रहे। यह समझना जरूरी है कि बुजुर्गों को तकनीक के सपोर्ट के साथ अपनों का समय और साथ भी चाहिए।

यूज करें ये होममेड हेयर पैक आपके बाल बनेंगे शाइनी-स्ट्रॉन्ग

सोखकर बालों में लंबे समय तक बनाए रखता है। इस पैक को बनाने के लिए एक पका हुआ केला लें और उसे चम्मच या ब्लेंडर की मदद से अच्छी तरह मैश कर लें, ताकि उसमें कोई गांठ न रहे। अब इस पेस्ट में एक बड़ी चम्मच शुद्ध शहद और एक चम्मच नारियल का तेल मिलाकर बड़िया मिश्रण तैयार करें। इस हेयर पैक को बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक समान रूप से लगाएं। इसे 40 से 45 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें और फिर

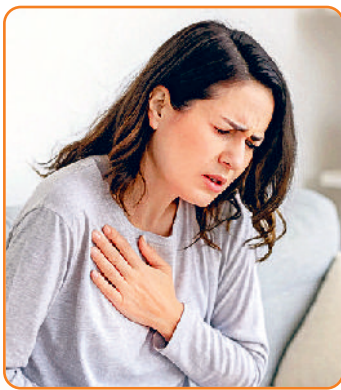


हेयर ग्रोथ बढ़ाता है। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो सिर की त्वचा (स्केल्प) को साफ रखता है।

इस पैक को बनाने के लिए तीन बड़ी

हार्ट डिजीज का रиск सिर्फ पुरुषों या वृद्ध महिलाओं को ही नहीं होता, ऐसे में लक्षणों को पहचानना और समय रहते सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। **वर्ल्ड हार्ट डे (29 सितंबर)** के मौके पर हम बता रहे हैं, किस तरह आप अपने हार्ट की प्रॉपर केयर कर सकती हैं?

हेल्दी हार्ट के लिए करें रेग्युलर-प्रॉपर केयर



आर्थराइटिस जैसी ऑटोइम्यून बीमारियां भी महिलाओं में हृदय रोग का खतरा बढ़ाती हैं। मानसिक तनाव, अवसाद और घर-परिवार की देखभाल का अतिरिक्त बोझ भी महिलाओं में हृदय स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण सामाजिक-मानसिक

कारक माने गए हैं। **क्या होते हैं लक्षण:** महिलाओं में हार्ट अटैक होने पर केवल तेज सीने का दर्द ही दिखाई दे, यह जरूरी नहीं। महिलाओं में सांस फूलना, मितली या उल्टी, अत्यधिक थकान, पीठ या जबड़े में दर्द, अत्यधिक कमजोरी या उमड़ा पसीना आए, बेचैनी जैसे लक्षण अंधेसा/दृष्टि अंधिमा दिखाई दे सकते हैं। सीने के बीच में दर्द या दबाव, हाथ या कंधे में दर्द, सांस लेने में परेशानी, उठड़ा पसीना, चक्कर या बेहोशी भी चेतावनी संकेत हो सकते हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हार्ट अटैक की आशंका में तत्काल आपात चिकित्सा सहायता लेना जरूरी है। **ऐसे करें हार्ट केयर:** दिल को स्वस्थ रखने की शुरुआत छोटी-छोटी आदतों से होती है। परिवार को देखभाल करने वाली महिला को अपनी सेहत की देखभाल को भी उतनी ही प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ दिल



केवल लंबी उम्र ही नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की नींव भी है। **हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं:** एक सही दिनचर्या हेल्थ की मजबूत नींव होती है। सरकेडियन रिदम का पालन करें। रात को समय पर सोएं, समय पर खाना खाएं। रेग्युलर हेल्थ चेकअप कराते रहें। **संतुलित आहार का करें सेवन:** अधिक नमक, चीनी और ट्रांस-फैट वाले खाद्य पदार्थों से बचें। आहार में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें और स्वस्थ वसा शामिल करें। चाय-कॉफी का अत्यधिक सेवन और पैकेज्ड/जंक फूड हृदय पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। इनसे बचें। **तनाव प्रबंधन पर ध्यान दें:** योग, ध्यान, पर्याप्त नींद और अपनों से भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखना मानसिक तनाव को कम करता है। प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाकर चलें। **प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा**

खबर संक्षेप

आंगन मिलन सेवा के
द्वितीय चरण की शुरुआत

नारनौल। महिला एवं बाल विकास की ओर से जिले में चलाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह और सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के द्वितीय चरण की नारनौल ग्रामीण व कनीना सर्कल में शुरुआत हुई। जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को सीधे समाज से जोड़ना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

आईटीआई में एक दिवसीय
रोजगार मेला आज

महेंद्रगढ़। राजकीय आईटीआई में मंगलवार को प्रातः 9:30 बजे से एक दिवसीय विशाल जॉब मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में देश व विदेश की प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियां भाग ले रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से बिम्बो बेकरी अमेरिकन एम्पनसी भिवाड़ी, होंडा मोटरसाइकिल एवं स्कूटर इंडिया लिमिटेड मानेसर, एसीवाईएम ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड आनंद गुप भिवाड़ी तथा ईजी टास्क ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम जैसी एनसीआर क्षेत्र की नामी कंपनियां शामिल हैं। मेले में आईटीआई के सभी टेक्निकल ट्रेड्स के उत्तीर्ण (पासशुदा) अभ्यर्थी हिस्सा ले सकते हैं।

जीनियस एकडेमी में मनाई भगत सिंह की जयंती

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

जीनियस एकेडमी शहीद आजम भगत सिंह की जयंती मनाई गई। इस दौरान पर भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन किया गया। एकडेमी डायरेक्टर अमित यादव ने कि शहीद भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को अविभाजित भारत के लायलपुर जिले के बंगा गांव में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उनका जन्म एक देशभक्त सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती कौर था। कुछ ऐतिहासिक साक्ष्यों में उनकी जन्मतिथि 27 सितंबर 1907 भी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के जीवन में परिवर्तन का मुख्य कारण 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर में



महेंद्रगढ़। भगत सिंह के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

हुआ जलियांवाला बाग हत्याकांड था। उन्होंने लाहौर के नेशनल कॉलेज की पढ़ाई छोड़ दी और देश की आजादी के लिए नौजवान भारत सभा का गठन किया। एकेडमी चेयरपर्सन सोनिका यादव ने बताया कि 17 दिसंबर 1928 को भगत सिंह ने राजगुरु के साथ मिलकर लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक अंग्रेज अधिकारी जेपी सांडर्स को गोली मारकर लाला लाजपत राय की मौत

का बदला लिया। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। सात अक्टूबर 1930 को अदालत ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी की सजा सुनाई और 23 मार्च 1931 को तीनों को लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी दे दी गई। इस अवसर पर सुनील कुमार, दिलेर सिंह, देवेन्द्र, सतीश, दीपक, सोमवीर, प्रवीन, राधिका, सुरेन्द्र, सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मार्च पास्ट के साथ छात्राओं ने ली खेल भावना की रापथ

राजकीय महिला कॉलेज में 38वीं
वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का आगाज

खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में दिखाया दमखम



नारनौल। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

शारीरिक एवं मानसिक विकास होने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व में निखार आता है। विशिष्ट अतिथि अमरजीत सिंह रंधावा ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में सहायक होती हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित चौधरी ने कहा कि महाविद्यालय की छात्राओं ने

विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। मंच संचालन डॉ. सुमन यादव ने किया। हंसराज गुर्जर, मुकेश वर्मा व रवि डीपीई ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का संचालन कराया। महाविद्यालय संरक्षक डॉ. यशपाल ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद किया। उप-प्राचार्य प्रोफेसर आरपी सिंह ने

कहा कि खेल छात्राओं को स्वस्थ रखने के साथ उन्हें खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं। इस मौके पर डॉ. पारुल गुप्ता, डॉ. अंजू रानी, डॉ. अजय थाकन, डॉ. ममता सिद्धार्थ, डॉ. चिरंजीव तायल, डॉ. मनमीत कौर, डॉ. ममता शर्मा, डॉ. साधना यादव, डॉ. पवन कुमार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुमन यादव आदि मौजूद रहे।

400 मीटर दौड़ में
दीपिका ने मारी बाजी

400 मीटर दौड़ में एमए इविलिश प्रथम वर्ष की दीपिका ने प्रथम, एमए हिंदी अंतिम वर्ष की निधु ने द्वितीय तथा बीएससी तृतीय वर्ष की सैजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में निधु प्रथम, दीपिका द्वितीय तथा बीए तृतीय वर्ष की करीना और एमए इविलिश अंतिम वर्ष की यशिका तृतीय स्थान पर रही। जैवलिन थो में बीए प्रथम वर्ष की पूजा ने प्रथम, एमए हिस्ट्री अंतिम वर्ष की शानवी ने द्वितीय तथा बीएससी द्वितीय वर्ष की अंतिम ने तृतीय स्थान हासिल किया। शॉटपुट में अंतिम प्रथम, मीनाक्षी द्वितीय और पूजा तृतीय रही। डिस्कस थो में बीएससी द्वितीय वर्ष की मीनाक्षी प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष की सुशबू द्वितीय और बीए तृतीय वर्ष की दीप्ति सैनी तृतीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में दीपिका ने प्रथम, एमए जियोग्राफी प्रथम वर्ष की ज्योति ने द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष की अंजू बाला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थियों
ने किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ►► नांगल चौधरी

राव बहादुर सिंह डिग्री कॉलेज थनवास की ओर से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और पाठ्यक्रम आधारित व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण में विद्यार्थियों ने जल महल, चोर गुम्बद, बाबा रामेश्वर धाम और खालदे वाले बालाजी सहित विभिन्न ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का अवलोकन करके प्राचीन संस्कृति को करीब से जाना है। संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा-कक्ष की पढ़ाई से आगे ले जाकर ऐतिहासिक,



महेंद्रगढ़। भगत सिंह के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

राव सुल्तान सिंह स्कूल में
मनाई भगत सिंह की जयंती

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

राव सुल्तान सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव रहे, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने की। एडवोकेट सतपाल यादव ने कहा कि शहीद भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को अविभाजित भारत के लायलपुर जिले के बंगा गांव में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उनका जन्म एक देशभक्त सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती कौर था। कुछ ऐतिहासिक साक्ष्यों में उनकी जन्मतिथि 27 सितंबर 1907 भी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के जीवन में परिवर्तन का मुख्य कारण 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर में हुआ जलियांवाला बाग

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संस्था चेयरपर्सन सुषमा यादव, उपप्राचार्य रामकुमार, किंडर्स विंग हेड स्नेहलता, कर्ण सिंह निम्बल सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। हत्याकांड था। इस घटना के बाद उन्होंने लाहौर के नेशनल कॉलेज की पढ़ाई छोड़ दी और देश की आजादी के लिए नौजवान भारत सभा का गठन किया। उन्होंने बताया कि 17 दिसंबर 1928 को भगत सिंह ने राजगुरु के साथ मिलकर लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक अंग्रेज अधिकारी जेपी सांडर्स को गोली मारकर लाला लाजपत राय की मौत का बदला लिया। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। सात अक्टूबर 1930 को अदालत ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी की सजा सुनाई और 23 मार्च 1931 को तीनों को लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी दे दी गई।

न्यूज डायरी



नांगतिहाड़ी में श्रद्धा के साथ मनाया जयंती कार्यक्रम नारनौल। गांव नांगतिहाड़ी में महान क्रांतिकारी एवं देश के वीर सपूत शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन युवा समाजसेवी एवं युवा नेता सोमेश यादव व अजय मंत्री के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान युवाओं, ग्रामीणों और गणमान्य लोगों ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा देश की आजादी में उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर सोमेश यादव ने कहा कि शहीद भगत सिंह का जीवन युवाओं के लिए आदर्श है। भगत सिंह ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका सपना केवल अंग्रेजी हुकूमत से देश को आजाद करवाना ही नहीं था, बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना था, जहां हर नागरिक को समान अधिकार और सम्मान मिले।



हकेंवि में लगाया सफाई मित्र सुरक्षा शिविर महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वच्छता ही सेवा अभियान व एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत सोमवार को स्वच्छता कर्मियों के लिए सफाई मित्र सुरक्षा शिविर लगाया गया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा विभाग इकाई व स्वास्थ्य केंद्र के साझा प्रयासों से इस स्वास्थ्य शिविर के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इस आयोजन को विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत विभिन्न सफाई कर्मियों व अन्य सहयोगियों की स्वास्थ्य जांच के लिए उपयोगी बताया। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार तथा शोध शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान की उपस्थिति में प्रतिभागियों ने स्वच्छता की शपथ ली। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि स्वच्छता कर्मी विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सचिन कुमार बने विश्व हिंदी परिषद के प्रदेश समन्वयक

कनीना। सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहने वाले कनीना निवासी शैक्षणिक विद्वान के प्रवक्ता सचिन कुमार को विश्व हिंदी परिषद का हरियाणा प्रदेश समन्वयक नियुक्त किया गया। इस महत्वपूर्ण दायित्व के मिलने के बाद सचिन कुमार ने नई दिल्ली स्थित परिषद के केंद्रीय कार्यालय पहुंचकर अपना कार्यभार संभाल लिया है। इस नियुक्ति से कनीना क्षेत्र व शिक्षा जगत में हर्ष की लहर है। वर्तमान में रेवाड़ी जिले के नांगल नज्द स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता के रूप में कार्यरत सचिन कुमार लंबे समय से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और संवर्धन में जुटे हैं।



जैलाफ स्कूल में भगत सिंह
को किया नमन



नारनौल। रावमावि जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार की अध्यक्षता में भगत सिंह की जयंती व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम एसएससी सदस्यों, ग्रामीणों व स्टाफ सदस्यों ने भगत सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धासुजन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी छाजुलाम रावत ने कहा कि भगत सिंह आज भी देश के युवाओं के लिए राष्ट्रभक्ति का प्रतीक हैं। जलियांवाला बाग हत्याकांड से दुखी होकर भगत सिंह ने देश को आजाद कराने का संकल्प लिया व देश को आजाद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवक्ता धर्मसिंह ने कहा कि भगत सिंह सदैव अन्याय, शोषण और असमानता से देश को मुक्ति दिलाने के पक्षधर थे। प्राचार्य ने कहा कि भगत सिंह का मानना था कि क्रांति केवल खून बहाना नहीं, बल्कि व्यवस्था को बदलना है। उन्होंने मात्र 23 वर्ष की उम्र में देश पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस मौके पर प्रवक्ता डॉ. महताब सिंह, मलखान सिंह, सुरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, सुमेर सिंह, सुनील माटिया आदि मौजूद थे।

नर नारायण सेवा समिति की बैठक में 4
अक्टूबर के कार्यक्रम की रूपरेखा तय

नारनौल। नर नारायण सेवा समिति की बैठक रविवार सायं टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे स्थित शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता समिति के प्रधान रामसिंह मथुर ने की। बैठक में आगामी चार अक्टूबर को होने वाले भव्य सम्मान समारोह की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रधान रामसिंह मथुर ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी तथा कार्यक्रम को और अधिक सुंदर व व्यवस्थित बनाने के लिए सभी से सुझाव साझा किए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चार अक्टूबर के कार्यक्रम में शहीद सैनिकों की वीरगंगाओं, खेल के क्षेत्र में मेधावी बच्चों, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा 90 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।



नारनौल। बैठक करते नर नारायण समिति सदस्य। फोटो: हरिभूमि

11 अक्टूबर को 501 कलश व 251 ध्वजाओं के साथ निकलेगी भव्य कलश यात्रा

50 फुट चौड़ा और 30 फुट ऊंचा महामाई का भव्य दरबार रहेगा मुख्य आकर्षण

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

टाइगर क्लब की समीक्षा बैठक रविवार देर शाम क्लब संरक्षक राजेश लखेरा के निवास स्थान पर आयोजित हुई। जिसकी संयुक्त अध्यक्षता क्लब प्रधान राकेश यादव, संरक्षक गजेंद्र यादव नंबरदार, संरक्षक जनप्रकाश अग्रवाल, सचिव नरेंद्र बंसी व उपप्रधान राजेश सैनी ने की। बैठक में क्लब की ओर से आयोजित होने वाले 23वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में कार्यक्रम सह संयोजक प्रमोद सैनी व मनोप गोगिया ने अजय सैनी, विजय सैनी व लालू



नारनौल। बैठक करते टाइगर क्लब के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भागवत को माता रानी का पटका पहनाकर परिवार का सदस्य बनने पर सम्मानित किया। महोत्सव के पुरोहित नारायण शास्त्री ने बताया कि 23वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव के मुख्य यजमान सचिन शर्मा के पिता सुरेंद्र शर्मा व माता मिथलेश शर्मा

रहेंगे। वहीं कलश यात्रा के यजमान पवन यादव व उनकी पत्नी मुकेश यादव होंगे। क्लब कोषाध्यक्ष मनोज सिंघल, मुख्य सलाहकार नवीन विशिष्ट व विजय यादव ने बताया कि महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण की ओर बढ़ रही हैं। वरिष्ठ उपप्रधान

मां चामुंडा देवी मंदिर प्रांगण से शुरू होगी यात्रा

कलश यात्रा प्रमुख टैंटू सोनी व सचिव नरेंद्र बंसी ने बताया कि 11 अक्टूबर को 501 कलशों और 251 ध्वजाओं से सुसज्जित विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा मां चामुंडा देवी मंदिर प्रांगण से शुरू होकर आजाद चौक, मानक चौक और पुल बाजार होते हुए पुरानी चवहरी स्थित पूजा स्थल पर पहुंचेगी। यात्रा में 501 महिलाएं पवित्र गंगाजल से भरे स्टील के कलश धारण करेंगी।

राजेश सैनी व प्रचार मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि महोत्सव के लिए महामाई शोरावाली, कार्तिकेय, भगवान गणेश और मां सरस्वती की प्रतिमाओं का निर्माण बंगाल के कारीगर पांच प्रकार की मिट्टी को मिलाकर कर रहे हैं। पंडाल प्रमुख प्रवीण यादव, विश्वास एडवोकेट व ललित सैनी ने बताया कि महोत्सव का मुख्य आकर्षण बौद्ध टैपल थीम पर तैयार होने वाला

50 फुट चौड़ा और 30 फुट ऊंचा महामाई का भव्य दरबार रहेगा। सह कोषाध्यक्ष कैलाश चंद नंबरदार ने बताया कि कलश यात्रा में बाहर से आए कलाकारों द्वारा आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। प्रचार मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा व दरबार संयोजक टिटू जैन ने बताया कि मां भगवती महामाई का श्रृंगार संगम फ्लावर्स द्वारा फूलमालाओं से तथा बंगाल के कलाकार करेंगे।

गोमाता की सेवा में

भवतों ने लगाई स्वामणी नारनौल। गोमाता की सेवा और श्रद्धा के भाव से भक्तों द्वारा विभिन्न अवसरों पर गोशालाओं में स्वामणी का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पवन कुमार सोनी ने किशोरीलाल के साथ मिलकर गोमाता की सेवा में श्री अनाथ गोशाला में स्वामणी लगाई। पवन कुमार सोनी ने कहा कि गोशाला की सेवा करने से मन को आत्मिक संतोष मिलता है। किशोरी लाल ने कहा कि गोशाला केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज में सेवा और करुणा की भावना को बढ़ाने का माध्यम भी है।

अभिषेक कुराहावटा

वाई दो के बने चेयरमैन महेंद्रगढ़। दो महेंद्रगढ़ मार्केटिंग सोसायटी लिमिटेड के वाई नंबर दो के चुनाव में पूर्व चेयरमैन मन्नालाल शर्मा के पौत्र अभिषेक शर्मा कुराहावटा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जयदेव शर्मा को 49 वोट से हराया। यह चुनाव गांव पाली में प्रजाति धांधला में शामिलपूर्वक संपन्न हुआ। अभिषेक ने बताया कि जल्द ही बाजरे की खरीद शुरू की जाएगी और किसानों को खाद बाँज की व्यवस्था की जाएगी।

शहर के कई हिस्सों में अभी सीवरेज लाइन नहीं होने के कारण घरों और अन्य स्थानों से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी नालियों के माध्यम से होती है

हरिभूमि न्यूज़ ►►महेन्द्रगढ़

शहर में सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। शहर की उन गलियों और क्षेत्रों में नई सीवरेज लाइन बिछाई जाएगी, जहां अभी तक सीवरेज सुविधा उपलब्ध नहीं है। परियोजना के तहत 20 से अधिक गलियों में करीब 12.5 किलोमीटर लंबी नई सीवरेज लाइन डाली जाएगी। इस कार्य पर लगभग 6.54 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नई लाइन बिछाने के साथ शहर की मुख्य सीवरेज लाइन के जीर्णोद्धार का

खबर संक्षेप

समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता: डीसी

नारनौल। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में सोमवार को उपायुक्त अनुपमा अंजली ने लघु सचिवालय में सभी नागरिकों की सामूहिक व व्यक्तिगत शिकायतें सुनकर अधिकारियों को उनके त्वरित व समयबद्ध निपटारे के निर्देश दिए। शिविर में आई अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। डीसी ने अधिकारियों से कहा कि सरकार की इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर काटने से मुक्ति दिलाना है। उन्होंने कहा कि काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को कतई बदंशत नहीं किया जाएगा।

प्रभातफेरी संगठनों के पदाधिकारी सम्मानित

नारनौल। मनुमुक्त मानव मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से नगर के तीन प्रभात-फेरी संगठनों को सम्मानित किया गया। हुडा सेक्टर स्थित अंतर राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र मनुमुक्त भवन में आयोजित समारोह में चीफ ट्रस्टी डॉ. रामनिवास मानव, ट्रस्टी डॉ. कांता भारती, कनाडानिवासी प्रवासी भारतीय हरमहेंद्र यादव व पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने प्रभात-फेरी संगठन, राधारानी प्रभात-फेरी संगठन व श्री राधारानी प्रभात-फेरी ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न और सम्मान-पत्र भेंट कर मनुमुक्त मानव स्मृति-सम्मान से नवाजा।

महेन्द्रगढ़ जिले में एक से शुरू होगी बाजारे की सरकारी खरीद

■ छह मंडियों में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग और हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन करेंगी खरीद, 2900 रुपये प्रति विंटल रहेगा भाव

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौल

खरीद विपणन सीजन 2026-27 के तहत महेन्द्रगढ़ जिले में बाजारे की सरकारी खरीद एक अक्टूबर से शुरू होगी। जिले में बाजरा खरीद के लिए छह मंडियों को निर्धारित किया गया है। इनमें नारनौल, अटेली, महेन्द्रगढ़, कनीना, नांगल चौधरी और सतनाली मंडियां शामिल हैं।

बाजारे की सरकारी खरीद के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को खरीद एजेंसी की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों एजेंसियों के माध्यम से निर्धारित मंडियों में किसानों से बाजरे की खरीद की जाएगी। सरकारी खरीद के लिए बाजरे का भाव 2900 रुपये प्रति विंटल निर्धारित किया गया है। जिले के किसानों को अपनी बाजरे की फसल निर्धारित मंडियों में लेकर

महेन्द्रगढ़ में 20 से अधिक गलियों में बिछेंगी नई सीवरेज लाइनें, 6.54 करोड़ होंगे खर्च

कार्य भी किया जाएगा। शहर के कई हिस्सों में अभी सीवरेज लाइन नहीं होने के कारण घरों और अन्य स्थानों से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी नालियों के माध्यम से होती है। नालियों में कचरा जमा होने और समय पर सफाई नहीं होने के कारण कई बार पानी की निकासी बाधित हो जाती है। इसके चलते दूषित पानी गलियों में बहने लगता है। बरसात के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है तथा कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता

है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर में ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जा चुकी है, जहां सीवरेज लाइन की आवश्यकता है। अब इन स्थानों पर नई लाइन बिछाने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभाग के अनुसार, एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों की जांच की जाएगी। इसके बाद नियमानुसार पात्र एजेंसी को काम आवंटित किया जाएगा। विभाग की योजना के अनुसार अक्तूबर के अंत तक संबंधित एजेंसी को कार्य सौंप दिया जाएगा। स्थिति पैदा हो जाती है। इससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता

जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर में ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जा चुकी है, जहां सीवरेज लाइन की आवश्यकता है



महेन्द्रगढ़। वह मार्ग, जहां डाली जाएगी सीवरेज लाइन।

फोटो: हरिभूमि

कई हिस्सों को सीवरेज सुविधा से जोड़ा जाएगा

परियोजना के तहत शहर के कई महत्वपूर्ण हिस्सों को सीवरेज सुविधा से जोड़ा जाएगा। राम विहार कॉलोनी, मोहल्ला सैनीपुरा, शिव कॉलोनी, मसाली चौक, नाथूवाला मोहल्ला, कटला बाजार, खादी भंडार वाली गली और चामेड़ा रोड सहित अन्य क्षेत्रों में नई सीवरेज लाइन बिछाने की योजना है। इन क्षेत्रों में कुल 12.5 किलोमीटर लंबी लाइन डाली जाएगी। विभाग का मानना है कि सीवरेज नेटवर्क का विस्तार होने से गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था व्यवस्थित होगी और नालियों पर निर्भरता कम होगी।

कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया व मतदाता सूचियों को लेकर उठाए सवाल

वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूँका

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूचियों से जुड़े मुद्दों को लेकर नारेबाजी की

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सोमवार को जिला कांग्रेस कमिटी महेन्द्रगढ़ की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला कांग्रेस कार्यालय से महावीर चौक तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च निकाला। इसके बाद महावीर चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने किया। प्रदर्शन में नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी व किसान कांग्रेस के नेशनल कोऑर्डिनेटर कृष्ण राव विशेष रूप से मौजूद रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूचियों से जुड़े मुद्दों को लेकर नारेबाजी की। इस अवसर पर डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि देश का लोकतंत्र खतरे में है और मुख्य चुनाव आयुक्त से नवाजा।



नारनौल। प्रदर्शन करते कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता व महावीर चौक पर पुतला फूँकते कांग्रेस कार्यकर्ता।



फोटो: हरिभूमि

लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं : कृष्ण राव

किसान कांग्रेस के नेशनल कोऑर्डिनेटर कृष्ण राव ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती तभी सुनिश्चित होती है, जब प्रत्येक नागरिक को यह भरोसा हो कि उसका वोट सुरक्षित है और उसकी आवाज निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से सामने आएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों, मजदूरों और आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े मुद्दों को जनता के बीच मजबूती से उठाया जाएगा। जिला अध्यक्ष सत्यवीर यादव ने कहा कि यह प्रदर्शन जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की लोकतंत्र और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गहरी चिंता है और इसी के चलते आज बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के वोट से चुनी जाने वाली सरकार की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और विश्वसनीय होनी चाहिए।

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती यादव, एससी सेल के जिला अध्यक्ष तोताराम कोहली, पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र पाराशर, केकेसी के जिला अध्यक्ष राजन सिंह, जिला कार्यकारी सदस्य अरुण राव, ब्लॉक अध्यक्ष मनपाल पटोकरा, सीमा ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप यादव, अटेली ब्लॉक अध्यक्ष सुमेर सिंह, कनीना ब्लॉक अध्यक्ष रामकिशन, निजामपुर ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार, जिला महासचिव तेजपाल मांढी, जिला महासचिव नंदलाल यादव, संदीप नूनीवाल, ध्यानसुंदर सोनी, कृष्ण शर्मा सहित अनेक विरह नेता व कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए।

किसानों की सुविधाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नांगल चौधरी। अनाज मंडी में बाजरा खरीद को लेकर मार्केट कमेटी बोर्ड की बैठक चेयरमैन रमाकांत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मंडी में किसानों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं और खरीद प्रक्रिया की तैयारियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों को खरीद सीजन शुरू होने से पहले मंडी की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। चेयरमैन ने बताया कि मंडी में सफाई, पेयजल और बिजली व्यवस्था को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई। इन व्यवस्थाओं की सुनिश्चित करने के लिए सचिव को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए अधिकृत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से बाजरा 2900 रुपये प्रति विंटल के भाव पर खरीदेगी। इसमें 2300 रुपये प्रति विंटल की राशि खरीद एजेंसी के माध्यम से किसानों की भुगतान की जाएगी, जबकि शेष 600 रुपये प्रति विंटल भावतार योजना के तहत किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही सरकार के निर्देशानुसार मंडी में किसानों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।



नांगल चौधरी। बाजरा खरीद को लेकर विचार-विमर्श करता मार्केट कमेटी बोर्ड।

नई सीवरेज लाइन से जलभराव और गंदे पानी की समस्या से मिलेगी राहत

नई सीवरेज लाइन बिछने के बाद लोगों को जलभराव और गंदे पानी के कारण होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही मुख्य सीवरेज लाइन के जीर्णोद्धार से मौजूदा व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। विभाग की ओर से परियोजना के लिए अनुमानित लागत करीब 6.54 करोड़ रुपये तय की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्य की वास्तविक प्रगति स्पष्ट होगी। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सीवरेज व्यवस्था से वंचित क्षेत्रों को चिह्नित कर लिया गया है और अब निर्माण कार्य शुरू करने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि टेंडर आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से काम शुरू किया जाएगा।



टेंडर अलौट कर रहे

शहर में जहां सीवरेज लाइन नहीं है, उन स्थानों की पहचान की जा चुकी है। अब इन स्थानों पर नई लाइन डालने के लिए टेंडर आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस प्रक्रिया को पूरा होने में करीब डेढ़ माह का समय लगेगा। इसके बाद नवंबर में निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

- सुरेंद्र सिंह, जेई, जनस्वास्थ्य विभाग, महेन्द्रगढ़।

प्रस्तावित नकल फार्म फीस वृद्धि के विरोध में बसपा का प्रदर्शन



नारनौल। हरियाणा सरकार की ओर से प्रस्तावित नकल फार्म फीस वृद्धि के विरोध में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अटेली तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन कर ह्वापन सौंपा। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में नारे लिखे पोस्टर लेकर नकल फार्म फीस वृद्धि वापस लो, नकल फार्म फीस वृद्धि जनविरोधी है और हरियाणा सरकार हॉश में आओ के जोरदार नारे लगाए। इसके बाद नेताजी अतरलाल की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी के नाम प्रेषित ह्वापन तहसील के आरसी हरेन्द्र प्रताप को सौंपा। जिसे उन्होंने तत्काल सरकार को भेजने का अनुरोध दिया। ह्वापन में सरकार द्वारा प्रस्तावित नकल फार्म फीस वृद्धि को गैर वाजिब, गैर लोकतांत्रिक तथा घोर जनविरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की गई। अतरलाल दानसिंह प्रजापत, तुशार तायल व भागसिंह चेयरमैन ने कहा कि नकल फार्म की दरों में की गई वृद्धि से किसान, मजदूर, दुकानदार, व्यापारी, महिला, युवा, विद्यार्थी व बेरोजगारों की भारी आर्थिक हानि उठानी पड़ेगी। सरकार ने वर्तमान में नकल फार्म फीस जो 10 रुपये है, उसको बढ़कर 100 रुपये कर दिया है। दो पेज की नकल फीस जो तीन रुपये प्रति पेज है, वह बढ़कर 10 रुपये प्रति पेज और दो पेज से अधिक की दर जो दो रुपये प्रति पेज है, वह भी बढ़कर प्रति पेज 10 रुपये कर दी है, लेकिन नकल फीस के लिए 5000 रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस कर रही मानक प्रचार: डॉ. राकेश कुमार

महेन्द्रगढ़। चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस द्वारा किए जा रहे कथित भ्रामक प्रचार पर भाजपा जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार एवं पूर्व जिला महामंत्री अमित मिश्रा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। दोनों नेताओं ने लोक निर्माण विभाग गृह में आयोजित पत्रकारिता में कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्ष कार्यप्रणाली को लेकर जनता के बीच क्षम फैलाने का प्रयास कर रही है। डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि मतदाता सूची को अपडेट करने और मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया चुनाव आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के तहत की जा रही है। बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और आवश्यक जानकारी का सत्यापन कर रहे हैं। पूर्व जिला महामंत्री अमित मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं और जनता के बीच एक गलत नैरेटिव बनाने का प्रयास किया जा रहा है।



मंडी अटेली। चन्दपुरा में जनसभा करते किसान एवं मजदूर।

फोटो: हरिभूमि

किसान-मजदूर जनसभा में लिया रोहतक महापंचायत में पहुंचने का संकल्प

मंडी अटेली। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के बैनर तले सोमवार को अटेली क्षेत्र के गांव चन्दपुरा में किसानों और भूमिहीन ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जनसभा हुई। सभा की शुरुआत शहीद-ए-आजम भगतसिंह की 119वीं जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण से हुई। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन की ओर से कामरेड ओमप्रकाश और जिला संयोजक सतीश कुमार ने पुष्पांजलि अर्पित की है। मुख्य वक्ता संयुक्त किसान मोर्चा के नेता एडवोकेट राजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को 26 अक्टूबर को रोहतक के बोहर स्थित नांदल भवन में होने वाली प्रदेश स्तरीय महापंचायत में शामिल होने का व्त्ता दिया। ग्रामीणों ने पहुंचने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि खेती की लागत बढ़ रही है फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा, गांवों में साल भर काम नहीं है और महंगाई व कर्ज के चलते किसान-मजदूर आत्महत्या की मजबूर हैं। राजेंद्र सिंह ने प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते पर चिंता जताई।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेन्द्रगढ़।

नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रवेश तल, तरफा कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फोन : 8295154800, 8295738500, 9253681005

हरिभूमि न्यूज़ ►►नारनौल

पुलिस की ओर से साइबर अपराधों में संलिप्त आरोपितों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में साइबर थाना पुलिस ने "डिजिटल अरेस्ट" का डर दिखाकर नारनौल निवासी एक महिला से 23 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित गोविंद जांगिड़ निवासी जयपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है।



नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

फोटो: हरिभूमि

आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को पुलिस अधिकारी बताते

हुए महिला को डराया कि उसका नाम एक गंभीर आपराधिक मामले

कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम में नियमानुसार मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने बैंकिंग एवं तकनीकी तथ्यों का विश्लेषण करते हुए मामले में गोविंद जांगिड़ निवासी जयपुर की संलिप्तता पाई और उसे गिरफ्तार किया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपित गोविंद जांगिड़ ने कमीशन के बदले अपना बैंक खाता साइबर स्कैमरों को उपयोग के लिए उपलब्ध कराया था। ठगी की राशि का हिस्सा उसके बैंक खाते में आना पाया गया। आरोपित ने स्कैमरों को अपना सिम कार्ड भी उपलब्ध कराया हुआ था। आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता, ठगी की राशि के लैन्-देन तथा पूरे साइबर नेटवर्क के संबंध में आगे की जांच लगातार जारी है।

में सामने आया है और उसकी जांच व वेरिफिकेशन की जानी है। आरोपितों ने महिला को उसके नाम से कथित बैंक खाते में बड़ी रकम एवं संदिग्ध फंडिंग होने की झूठी कहानी बताकर भयभीत किया।

डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं: एसपी

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं है। कोई भी पुलिस अधिकारी, बैंक अधिकारी, आरबीआई अथवा अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी वीडियो कॉल के माध्यम से किसी व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट नहीं करता और न ही जांच या वेरिफिकेशन के नाम पर किसी बैंक खाते में रुपये ट्रांसफर करवाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध कॉल, वीडियो कॉल या संदेश के दबाव में आकर अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड अथवा धनराशि साझा या ट्रांसफर न करें।